



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 193] नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 23, 1983/वैशाख 3, 1905
No. 193] NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 23, 1983/VAISAKHA 3, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 23 अप्रैल, 1983

का० आ० 329 (अ).—केंद्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन)
अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 10 की उपधारा (1) द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन
की तारीख से छह मास की अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट
करती है जिसके भीतर सिक्किम राज्य में स्थित और उक्त अधिनियम की पहली

अनुसूची में विनिर्दिष्ट उद्योगों में लगे हुए प्रत्येक विद्यमान औद्योगिक उपक्रम का स्वामी रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र अभिप्राप्त करेगा।

[फा० सं० 8/7/82 एल० पी०]

एस० एल० कपूर संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 23rd April, 1983

S.O. 329(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 10 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby specifies a period of six months from the date of publication of this notification in the Official Gazette as the period within which the owner of every existing industrial undertaking situated in the State of Sikkim and engaged in the industries specified in the First Schedule to the said Act shall obtain a certificate of registration.

[F. No. 8/7/82-LP]

S. L. KAPUR, Jt. Secy.